रजिस्ट्री सं. डी.—(डी एन)—73 REGISTERED NO. D—(DN)—73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, शनिवार मई 19, 1984 (वैशाख 29, 1906)
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 19, 1984 (VAISAKHA 29, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

	पृष्ठ
भाग I—खण्ड-1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	465
भाग I—खण्ड-2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	621
भाग I—खंड 3—रक्षामंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	13
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियां आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	765
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	
भाग II—खण्ड-1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियां आदि भी शामिल है)	*
भाग II—खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1096]
भाग III—खंड 2—पैटेन्ट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	309
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	37
भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें आदेश, विज्ञापन, और नोटिस शामिल हैं	1711
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	79
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़े को दिखाने वाला अनुपूरक	

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and NonStatutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	465
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	621
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	13
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	765
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India.	10961
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	309
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	37
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1741
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	79
PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc, both in English and Hindi ..	*

* Folio No. not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1984

स० 56–प्रेज/84—शुद्धिपत्र—वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करने के सम्बन्ध में दिनांक 16 जुलाई, 1983 के भारत के राजपत्र भाग–I, खण्ड–1, में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 47–प्रेज/83, दिनांक 24 जून 1983 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

पृष्ठ 1 पर

पंक्ति 1–2 वीरता के लिए पुलिस पदक" के स्थान पर "वीरता के लिए पुलिस पदक का बार" पढ़ा जाए

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1984

स० 57–प्रेज/84–राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को सर्वोत्कृष्ट वीरता के लिए "अशोक चक्र" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

कर्नल यूरी वासीलेविच मेलिशेव

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—3 अप्रैल 1984)

3 अप्रैल 1984, को अन्तरिक्ष में भेजे गए प्रथम संयुक्त भारत-सोवियत अंतरिक्ष यान सोयूज टी–II के कमांडर कर्नल यूरी वासीलेविच मेलिशेव सोवियत संघ के अनुभवी अंतरिक्ष पाइलट हैं। इससे पूर्व कर्नल यूरी वासीलेविच मेलिशेव ने सोयूज टी-2/सैल्यूत-6 की कुशलतापूर्वक कमान की इस यान ने 5 जून से 9 जून, 1980 तक अंतरिक्ष की यात्रा की। ये सोयूज टी–II के कर्मीदल के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में हर तरह सक्रिय रूप से सम्बद्ध रहे। इस अन्तरिक्ष यान के कर्मीदल को बहुत ही कुशल, समन्वित और सुगठित दल के रूप में तैयार करने में इनकी मुख्य भूमिका रही।

अन्तरिक्ष यान के कमांडर के रूप में कर्मीदल की सुरक्षा और मिशन को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने का दायित्व इन्हीं के कन्धों पर था। इससे पहले भी अन्तरिक्ष यात्रा करने के कारण ये अपने दो अन्य साथियों के लिए प्रेरणा के स्रोत रहे और उन्हें जो काम सौंपे गये थे उन्हें पूरा करने में आवश्यक मार्गदर्शन और प्रोत्साहन करते रहे।

इस प्रकार कर्नल यूरी वासीलेविच मेलिशेव ने प्रथम संयुक्त भारत सोवियत अन्तरिक्ष मिशन की कमान करते हुए अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया।

स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा (12396)फ्लाइंग (पाइलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि : 3 अप्रैल, 1984)

जनवरी, 1982, में जब यह निर्णय लिया गया कि सोवियत अन्तरिक्ष यान से एक भारतीय भी अंतरिक्ष में जाएगा तो स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा इस चुनौतीपूर्ण मिशन के लिए आगे आए। इसके लिए भारतीय वायुसेना के 150 कुशल और अनुभवी पायलटों की कठोर स्वास्थ्य परीक्षा के बाद जो दो अन्तरिक्ष यात्री चुने गए उनमें से एक स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा थे। चुनाव के बाद इन्होंने सोवियत संघ के यूरी गैगेरिन केन्द्र में अन्तरिक्ष यात्री का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान इन्होंने जिस निष्ठा और लगन से काम किया उसकी सोवियत अंतरिक्ष विशेषज्ञों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इन्होंने इस बहुत ही कठिन प्रशिक्षण कार्यक्रम को विशेष योग्यता और असाधारण व्यावसायिक कुशलता के साथ पूरा किया।

3 अप्रैल, 1984 को स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा अन्तरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हो गए। संयुक्त भारत-सोवियत अन्तरिक्ष मिशन को जो वैज्ञानिक परीक्षण करने और दूसरे काम सौंपे गए थे, उन्हें इन्होंने बड़ी कुशलता से पूरा किया। इस तरह स्क्वाड्रन लीडर शर्मा ने अन्तरिक्ष यात्रियों की सूची में एक सम्मानपूर्ण स्थान प्राप्त करने के साथ अपने देश की प्रतिष्ठा और मान-सम्मान को भी बढ़ाया है।

इस प्रकार अन्तरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा ने अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया।

श्री गेनाडी मिखैलोविच स्त्रेकालोव

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—3 अप्रैल, 1984)

3 अप्रैल, 1984, को जो पहला संयुक्त भारत-सोवियत अन्तरिक्ष यान अन्तरिक्ष में गया था उसमें श्री गेनाडी मिखैलोविच स्त्रेकालोव को इंजीनियर अन्तरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया था श्री स्त्रेकालोव इससे पहले की अपनी दो अन्तरिक्ष यात्राओं के दौरान प्राप्त व्यापक जानकारी और अनुभव के आधार पर सोयूज टी–II अन्तरिक्ष यान और सेल्यूत–7 अन्तरिक्ष केन्द्र–दोनों की अन्तरिक्ष उड़ान प्रणाली के समुचित संचालन और नियंत्रण में पूरी तरह सफल रहे। इन्होंने न केवल अंतरिक्ष यान के कमांडर तथा सह-कर्मियों की सहायता की, अपितु इस पूरे अन्तरिक्ष मिशन के काम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस प्रकार श्री गेनाडी मिखैलोविच स्त्रेकालोव ने इस अंतरिक्ष मिशन में अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया।

सं० 58-प्रेज/84—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उत्कृष्ट वीरता के कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

कर्नल अनातोली निकोलाइविच बरजोवोई

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि : 3 अप्रैल 1984)

सोवियत संघ के अनुभवी और सम्मानित अन्तरिक्ष पायलट कर्नल अनातोली निकोलाइविच बरजोवोई को प्रथम संयुक्त भारत-सोवियत अन्तरिक्ष यात्रा कार्यक्रम में वैकल्पिक अन्तरिक्ष यात्री दल के कमांडर के रूप में चुना गया था। इससे पहले ये "सोयूज टी-5" अन्तरिक्ष यान और अन्तरिक्ष केन्द्र "सेल्यूत-7" के कमांडर रह चुके थे। यह अन्तरिक्ष मिशन 211 दिन का था। इस मिशन ने अन्तरिक्ष में सबसे अधिक दिन तक रहने का सर्वोत्तम रिकार्ड स्थापित किया। भारत-सोवियत संयुक्त अन्तरिक्ष यात्रा कार्यक्रम वैकल्पिक दल के कमांडर के रूप में इन्होंने अन्तरिक्ष यात्रियों के संयुक्त प्रशिक्षण से सम्बन्धित हर कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने कर्मीदल को बहुत ही कुशल और सुगठित दल के रूप में तैयार करने में इनकी मुख्य भूमिका रही। ये और इनका दल 3 अप्रैल, 1984, को संयुक्त उड़ान के लिए पूर्णतया तैयार थे।

इस प्रकार कर्नल अनातोली निकोलाइविच बरजोवोई ने संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम की पूरी अवधि में अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया।

श्री जौर्जी मिखाइलोविच ग्रेच्को

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि : 3 अप्रैल, 1984)

श्री जौर्जी मिखाइलोविच ग्रेच्को दो बार अन्तरिक्ष यात्रा कर चुके हैं। पहली बार ये 1975 में 30 दिन तक अन्तरिक्ष में रहे और दूसरी बार 1977-78 में 97 दिन तक अन्तरिक्ष में रहे। पहले संयुक्त भारत-सोवियत अन्तरिक्ष मिशन के वैकल्पिक अन्तरिक्ष यात्री दल के ये इंजीनियर चुने गये। इन्होंने अन्तरिक्ष यात्रियों के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने अनुभव, सहयोग और कर्त्तव्यनिष्ठा की भावना से अन्तरिक्ष यात्रियों में आत्म-विश्वास पैदा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस प्रकार जौर्जी मिखाइलोविच ग्रेच्को ने संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम की पूरी अवधि में उत्कृष्ट वीरता और साहस का परिचय दिया।

विंग कमांडर रवीश मल्होत्रा (7678) फ्लाइंग (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि : 3 अप्रैल, 1984)

जनवरी, 1982, में यह फैसला किया गया कि 1984 में एक संयुक्त भारत-सोवियत अन्तरिक्ष मिशन अन्तरिक्ष में जाएगा। इस मिशन के लिए जब नाम मांगे गए तो विंग कमांडर रवीश मल्होत्रा ने भी अपना नाम दिया। चुनाव प्रक्रिया काफी कठिन थी जिसके अन्तर्गत भारहीनता तथा अन्य ऐसे कठिन मानसिक तथा शारीरिक परीक्षण किए गए जो अन्तरिक्ष उड़ान के लिए आवश्यक थे। विंग कमांडर मल्होत्रा इन सभी परीक्षाओं में खरे उतरे। इस अभियान के लिए भारतीय वायुसेना के जिन 150 कुशल और अनुभवी पायलटों की जांच-परीक्षा की गई उनमें से चुने गए दो उम्मीदवारों में से ये भी एक थे।

विंग कमांडर रवीश मल्होत्रा ने सोवियत संघ के यूरी गेगेरिन केन्द्र में अन्तरिक्ष यात्रा का 18 महीने का चुनौतीपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम बड़ी कुशलता के साथ पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान इन्होंने पूरी समर्पित भावना, असाधारण व्यावसायिक कुशलता तथा साहस का परिचय दिया। अन्तरिक्ष यात्री के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए इन्होंने अनेक चुनौतियों और कठिनाइयों का सफलतापूर्वक सामना किया। यही कारण है कि प्रशिक्षण केन्द्र में न केवल इनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की गई बल्कि इससे देश का मान भी बढ़ा। इस प्रकार इन्होंने 3 अप्रैल, 1984 को शुरू होने वाले पहले संयुक्त भारत-सोवियत अन्तरिक्ष मिशन के लिए अपने आप को पूरी तरह से तैयार किया। अन्तरिक्ष में केवल एक ही भारतीय अन्तरिक्ष यात्री भेजा जाना था इसलिए अन्ततः स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा को उसके लिए चुना गया।

इस प्रकार विंग कमांडर रवीश मल्होत्रा ने अपने सम्पूर्ण प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट वीरता और साहस का परिचय दिया।

सु० नीलकण्ठन
राष्ट्रपति का उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 7th May 1984

No. 57-Pres/84.—The President is pleased to approve the award of 'ASHOKA CHAKRA' to the following persons for acts of bravery of the highest order :—

COLONEL YURIE VASILEVICH MALYSHEV

(Effective date of the award : 3rd April, 1984)

Colonel Yurie Vasilevich Malyshev, an experienced pilot cosmonaut of the Soviet Union, was the Commander of the first joint Indo-Soviet manned space ship "SOYUZ T-11" which went into the space on the 3rd April, 1984. Col. Yurie Vasilevich Malyshev has had the distinction of earlier commanding Soyuz T-2/Salyut-6 complex that performed the space flight from 5th to 9th June, 1980. He actively involved himself in all the facets of joint training of the crew for the "SOYUZ T-11". He has been instrumental in building the crew as a highly efficient, cohesive and well knit team. As Commander of the ship during the flight, he was overall responsible for the safety of the crew and successful accomplishment of the mission. Being himself an experienced cosmonaut, having been in space earlier, he was a source of strength to the other two cosmonauts in the flight and provided necessary guidance and encouragement to them to undertake and accomplish their assigned tasks.

Colonel Yurie Vasilevich Malyshev has thus displayed most conspicuous courage and daring in commanding the first joint Indo-Soviet space mission.

SQUADRON LEADER RAKESH SHARMA (12396), FLYING (PILOT)

(effective date of the award : 3rd April, 1984)

In January, 1982, when it was decided htat an Indian would go into space on a Soviet space ship, Sqn Ldr Rakesh Sharma volunteered for this very challenging mission. After a very rigorous selection process which included a most exacting medical test, he was selected as one of the two cosmonaut candidates from among 150 highly qualified and experienced pilots of the Indian Air Force. After his selection he underwent training as a cosmonaut at YURI GAGARIN CENTRE in the USSR, where he applied himself with total devotion and dedication and won acclaim from Soviet Space experts. Sqn Ldr Rakesh Sharma completed a

most arduous training schedule with distinction and with exceptional professionalism

On the 3rd April 1984 Squadron Leader Rakesh Sharma became the first Indian to orbit in Space He carried out all the Scientific experiments planned for the joint Indo-Soviet Space Mission and other tasks assigned to him with great facility and excellence Sqn Ldr Sharma not only has carved out a place for himself in the Space roll of honour but has brought glory and credit to the nation

Squadron Leader Rakesh Sharma has thus displayed most conspicuous daring and courage to become the first Indian to go into space

MR GENNADY MIKHAILOVICH STREKALOV

(Effective date of the award 3rd April, 1984)

Mr Gennady Mikhailovich Strekalov was specially selected to be the engineer cosmonaut of the first joint Indo Soviet manned space ship which went into space on the 3rd April 1984 With the indepth knowledge and experience gained by him in his earlier two space flights he was responsible for monitoring the proper functioning of space flight system on both the Soyuz T 11 Spacecraft and Salyut-7 space station He not only assisted the Commander and the crew but has contributed to the successful conduct of the entire space mission operations

Mr Gennady Mikhailovich Strekalov on this mission has thus displayed most conspicuous courage and daring

No 58-Pres/84—The President is pleased to approve the award of 'KIRTI CHAKRA' to the undermentioned persons for acts of conspicuous gallantry -

COLONEL ANATOLY NIKOLAIVICH BEREZOVOI

(Effective date of the award 3rd April 1984)

Colonel Anatoly Nikolaivich Berezovoi an experienced and decorated pilot cosmonaut of the Soviet Union was designated as Commander of the standby team for the first Joint Indo Soviet manned space flight Col Anatoly Nikolaivich Berezovoi was earlier mission Commander of space craft SOYUZ T 5 and orbital station Salyut 7 which lasted for 211 days and set the best record for the longest stay of any cosmonaut in orbit As Commander of the standby team of the joint space flight, he was actively involved in all facets of joint training of the cosmonauts and was instrumental in building his crew as a highly efficent cohesive and a well knit team He and his team were fully prepared for the joint flight on 3rd April, 1984

Colonel Anatoly Nikolaivich Berezovoi has thus displayed most conspicuous courage and daring during the entire period of Joint training

MR GEORGI NIKHAILOVITCH GRECHKO

(Effective date of the award 3rd April, 1984)

Mr Georgi Nikhailovitch Grechko who had the distinction of having been in the space twice for a period of 30 days and 97 days in 1975 and 1977-78 respectively, was selected to be the engineer cosmonaut of the standby team for the first joint Indo Soviet space flight During the joint training his expertise, cooperation and dedication was an important factor in building up the confidence in the cosmonauts

Mr Georgi Nikhailovitch Grechko has thus displayed conspicuous gallantry and courage during the entire period of joint training

WING COMMANDER RAVISH MALHOTRA (7678), FLYING (PILOT)

(Effective date of the award 3rd April, 1984)

In January, 1982 it was decided that a joint Indo-Soviet Space mission would be launched in 1984 Wg Cdr Ravish Malhotra responded readily to a call for Indian cosmonaut volunteers After a very rigorous selection process, including a most stringent medical examination which covered weightlessness and other strenuous mental and physical tests associated with space flights, he was declared fully fit and was selected as one of the two cosmonaut candidates from among 150 highly qualified and experienced pilots of the Indian Air Force

Wg Cdr Ravish Malhotra underwent an extremely demanding training schedule as cosmonaut at YURI GAGARIN CENTRE in USSR for 18 months and completed the same with great credit and distinction. During his training he displayed unflinching dedication, outstanding zeal, exceptional professionalism and courage His commitment to his training as a cosmonaut which involved many challenges and hazards was total and complete This not only won him many an accolade from all quarters of the training centre but indeed has been a matter of pride for the nation He thus kept himself in complete preparedness for the First Joint Indo Soviet Space Venture on the 3rd April, 1984 Since only one Indian Cosmonaut was to go into space Sqn Ldr Rakesh Sharma was finally selected for the flight

Wg Cdr Ravish Malhotra during his entire period of training has thus displayed conspicuous gallantry and courage

S NILAKANTAN Deputy Secretary to the President

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS DELHI 1984.